प्राचार्य डॉ. सुनीलकुमारलवटे

जीवनपरिचय

जन्म 11 अप्रैल, 1950। प्रतिकूल परिस्थिति में शिक्षा प्राप्त की। हिंदी विषय में एम.ए. और पीएच.डी.। प्राथमिक शिक्षा पंढरपुर (महाराष्ट्र) में। आगे की शिक्षा और जीवनयापन कोल्हापुर में।

उच्च शिक्षा के लिए गारगोटी के मौनी ग्रामीण विश्वविद्यालय में प्रवेश। परिस्थिति को समझकर कठोर परिश्रम। भारत सकरार की छात्रवृत्ति और महाराष्ट्र सरकार के निर्वाह भत्ते के आधार से ग्रामीण विश्वविद्यालय के स्नातक समकक्ष शिक्षा में भारत में सर्वप्रथम। भारत सरकार द्वारा 'रोल ऑफ ऑनर' से सम्मानित।

शालेय जीवन में साने गुरूजी का साहित्य, वि. स. खांडेकर जी का सहवास, बुजुर्गों के व्याख्यान, 'आंतरभारती' गठण के कारण ही जीवनभर समर्पित अध्यापक, प्राचार्य के रूप में कार्य करते हुए अवकाश ग्रहण किया। जीवन के हर मोड़ पर समर्पित होकर काम करने की प्रवृत्ति। इसके चलते ही हर समय असंभव को संभव करने की आस हाइस्कूल अध्यापक रहते हुए ही 'डॉक्टरेट' की उपधि पाकर महाविद्यालय में आया। महाविद्यालय के लेखन तथा संशोधन कार्य के कारण विश्वविद्यालय से जुड़ा। प्राचार्य के नाते तो गतिविधियों का उच्चांक ही स्थापित किया।

इससे ही स्वावलंबन के बाद 1980 से 2000 इन दो दशकों में अनाथों के संगोपन और पुनर्वसन के लिए अविरत कार्य किया। कोल्हापुर के 'रिमांड होम' को बालकल्याण संकुल में बदल दिया। महाराष्ट्र राज्य वंचित संस्था का अध्यक्ष रहा। त्रैमासिक 'समाज सेवा' का संपादन किया। भारतीय शिष्टमंडल द्वारा यूरोप-आशिया के पंद्रह देशों के अभ्यास दौरे। इसके द्वारा पूरे महाराष्ट्र के अनाथालय, रिमांड होम संबंधी प्रशासन यंत्रणा का विकेंद्रीकरण, योजनाओं का एकत्रिकरण, संस्था के स्तर में सुधार, बच्चों के राष्ट्रीय कानून और अधिकार से संबंधित राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर का कार्य और सम्मान। वर्तमान में इन सभी पदों का त्याग।

यह सारा कार्य करते हुए मराठी, हिंदी में विपुल मात्रा में लेखन। आत्मकथा, लेख, कथासंग्रह, भाषणसंग्रह, काव्यसंग्रह के साथ अनुवाद, संपादन, समीक्षा लेखन। मराठी और हिंदी में पचहत्तर पुस्तकें प्रकाशित। इन किताबों को महाराष्ट्र फौंडेशन (अमेरिका), अनुवाद और समीक्षा के लिए भारत सरकार के राष्ट्रीय पुरस्कार, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी से जीवन गौरव पुरस्कार, महाराष्ट्र राज्य साहित्य निर्मिति पुरस्कार से सम्मानित। कई साहित्य सम्मेलनों के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत। महाराष्ट्र में कई वस्तुसंग्रहालयों का निर्माण। कई ग्रंथों के हिंदी, गुजराती और अँग्रेजी में अनुवाद के साथ ब्रेल लिपि में भी रूपांतर। कई विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में साहित्य का समावेश तथा संशोधन।

राष्ट्रीय मानवाधिकार के जिलाधीश के रूप में बारह सालों तक कार्य। काराग्रह, पुलिस चौकी सुधार के साथ बंदीजनों को मानवाधिकार प्रदान। कोल्हापुर के वंचितों के विकास, शिक्षा, साहित्य, संस्कृति आदि गतिविधियों पर गौर कर 'कोल्हापुर भूषण' इस नागरी सम्मान से सम्मानित। आज तक पुरस्कार, लेखन, व्याख्यानो द्वारा मिली पंद्रह लाख की राशि को 'सामाजिक संकल्प निधि' समझकर आज तक पंद्रह लाख की राशि विविध शैक्षिक, साहित्यिक, सामाजिक संस्था तथा व्यक्तियों को अर्पण की गई।

प्राचार्य डॉ. सुनीलकुमारलवटे

(Brief Resume: Hindi)

जीवनपरिचय

1.जन्म :11 अप्रैल, 1950. पंढरपुर में।

2. शिक्षा :एम.ए. पीएच्.डी. (हिंदी)

3. कार्य :

अ) अध्यापन :

- माध्यमिक विद्यालय में हिंदी अध्यापन से कार्यारंभ। एम.ए. के बाद महावीर महाविद्यालय में सन 1989 से 2005 तक हिंदी अधिव्याख्याता के रूप कार्य। सन 2005 से 2010 तक विभागाध्यक्ष एवं प्राचार्य।
- शिवाजी विश्वविद्यालय में सन 1980 से दीर्घ काल मानसेवी अधिव्याख्याता के रूप में स्नातकोत्तर स्तर पर हिंदी का अध्यापन।
- एम.फिल. तथा पीएच.डी. के लिए शोध निर्देशक कार्य 15 छात्र एम.फिल तथा 5 छात्र पीएच.डी.
- महाराष्ट्र के अनेक विश्वविद्यालयों में पुनःश्चर्या पाठ्यक्रम में निर्देशन का कार्य।

ब) अनुसंधान :

- यशपाल, नाटककार शंकर शेष, विश्वहिंदी प्रचारक अनंत गोपाल शेवडे, वि. स. खांडेकर (मराठी) जैसे साहित्यकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर बुनियादी एवं मौलिक अनुसंधान और ग्रंथलेखन। अनेक विश्वविद्यालयों में ग्रंथों का पाठ्यक्रम में अंतर्भाव। (1980 से 2010)
- 'हिंदी वेब साहित्य' पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा प्राप्त अनुदान से बृहत् हिंदी शोध प्रकल्प पूर्ति और प्रकाशन (2013)। इस कार्य को विश्व मान्यता तथा अनेक विश्वविद्यालयों में हिंदी वेब साहित्य पर लेखन, अनुसंधान, आरंभ तथा हिंदी साहित्य इतिहास के नवलेखन में पथदर्शन एवं नये अध्याय का आरंभ।

क) अनुवाद

- मराठी के प्रथम ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता साहित्यिक वि. स. खांडेकर की कहानियाँ, रूपक कथाएँ तथा उपन्यास का हिंदी अनुवाद। तीन ग्रंथों का प्रकाशन। (1980-2000)
- अंधविश्वास उन्मूलक समाज कार्यकर्ता डॉ. नरेंद्र दाभोलकर के बृहत ग्रंथों का त्रिखंडीय अनुवाद एवं संपादन कार्य। (2015)

संयोजन :

- केंद्रीय हिंदी निदेशालय, भारत सरकार नई दिल्ली के तत्वावधान में हिंदीतर भाषी हिंदी नवलेखक शिबिर का दो बार संयोजन। (1990, 2007)
- बहुभाषी कवि संमेलन का आयोजन। (1990)
- राष्ट्रीय सेवा योजना के राष्ट्रीय महिला एकता शिबिर का संयोजन। (1982)

संगठन :

- शिवाजी विश्वविद्यालय हिंदी प्रध्यापक परिषद का संयोजन, संघटन कार्य। (1982-85)
- शिवाजी विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग की स्थापना के प्रयासों में नेतृत्व एवं सहभागिता। (1980)
- महाराष्ट्र राज्य में हिंदी ऐच्छिक करने के सरकारी प्रयास विफल करने के हेतु किये गये राज्यस्तरीय आंदोलन का नेतृत्व। हिंदी की पाठ्यक्रम में वर्तमान अनिवार्यता उसीका नतिजा। (1985)
- अनशन, मोर्चे, धरना आदि के जरिए जनमत संग्रह एवं राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचार प्रसार।

क्रियान्वयन:

- केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली के हिंदीतर भाषी हिंदी नवलेखक शिबिर, अध्ययन यात्रा, छात्रवृत्ति, ग्रंथ प्रसार कार्य का लगातार तीन दशक तक अखंड क्रियान्वयन। (1980-2010)
- अनेक साहित्य संमेलनों, सांस्कृतिक परिषदों, ग्रंथ प्रदर्शनों, व्याख्यानमालाओं, प्रकाशन समारोह आदि का कुशल संयोजन एवं जनसंगठन।
- विश्व पुस्तक मेला, विश्व हिंदी संमेलन में छात्रों के साथ सहयोगिता। व्याख्यान, प्रकाशन आदि से सहयोग।

समाज कार्य:

- अनाथों के पुनर्वास, अंधविश्वास उन्मूलन, व्यसनमुक्ति, आंतरजातीय/धर्मीय विवाह, शिक्षा सुधार, योजना निर्मिति, नीति निर्धारण संबंधी अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, राज्यस्तरीय कार्य। (1980-2010)
- 'समाज सेवा' पत्रिका संपादन (1985-1990)
- राज्यस्तरीय नीति निर्धारण सलाहकार (2010 से 2015)

वस्तुसंग्रहालय निर्माण कार्य (संकल्पना, साधन संग्रह एवं अनुसंधान):

- वि. स. खांडेकर स्मृति संग्रहालय, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (2004)
- यशवंतराव चव्हान स्मृति संग्रहालय, नासिक (2016) यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ
- साने गुरूजी स्मारक कक्ष उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जलगाँव। (निर्माणाधीन) (2016)
- कर्मवीर डॉ. मामासाहब जगदाले स्मृति संग्रहालय, श्री शिवाजी शिक्षण संस्था, बार्शी, जि. सोलापुर (2015)
- भारतरत्न महर्षी धोंडे केशव कर्वे, साने गुरूजी के राष्ट्रीय स्मारक एवं संग्रहालय में साधन संकलन कार्य।
- गुरूवर्य वि. स. खांडेकर स्मृति संग्रहालय, शिरोडा (सिंधुदुर्ग) (2016)

आकाशवाणी/दूरदर्शन प्रसारण/प्रक्षेपण:

- महाराष्ट्र के अनेक केंद्रों से व्याख्यान, साक्षात्कार प्रक्षेपण/प्रसारण।
- भारत सरकार द्वारा पुराभिलेख साक्षात्कार संग्रह
- आत्मकथा का अभिवाचन एवं प्रक्षेपण
- राज्यस्तरीय संबोधन। साक्षात्कार
- आकाशवाणी व्याख्यानों का संग्रह प्रकाशन (आकाश संवाद)

विदेश यात्रा:

- भारत-फ्रान्स मैत्री कार्यक्रम के अंतर्गत फ्रान्स, इंग्लंड, इटली, स्वित्झर्लंड, आस्ट्रिया, जर्मनी, बेल्जियम, वैटिकन,लेक्झेम्बर्ग, देशों की यात्रा। (1990)
- भारतीय शिष्टमंडल से जापान, सिंगापुर यात्रा। (1986)
- सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत सिंगापुर, मलेशिया, थायलंड, हाँगकाँग यात्रा। (2011)
- विश्व हिंदी संमेलन, मॉरिशस (2018)

पुरस्कार:

- हिंदीतर भाषी हिंदी लेखक पुरस्कार (अनुवाद)। (1983)
- हिंदीतर भाषी हिंदी लेखक पुरस्कार (समीक्षा) केंद्रीय हिंदी निदेशालय, भारत सरकार, नई दिल्ली। (1987)
- अनंत गोपाल शेवडे हिंदी सेवा पुरस्कार (महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, मुंबई)। (2009)
- हिंदी प्रचार, प्रसार कार्य सम्मान (रौप्योत्सव। सुवर्णमहोत्सव) (महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे) 1990/2015
- मराठी आत्मकथा :'खाली जमीन, वर आकाश' के लिए अनेक पुरस्कार।
- समाजकार्य के लिए अनेक पुरस्कार। (2007-2017)
- अखिल भारतीय महाराष्ट्र भारती पुरस्कार- 2015
- साहित्य संमेलन सम्मान : महाराष्ट्र, कर्नाटक में संपन्न विविध मराठी साहित्य संमेलनों के अध्यक्षपद तथा संबोधन का बहुमान। (2016)

हिंदी साहित्य संपदा

समीक्षा ग्रंथ: नाटककार शंकर शेष (1982)

- यशपाल: एक समग्र मूल्यांकन (1984)
- शेवडे: व्यक्तित्व एवं कृतित्व (1986) (पुरस्कृत)
- हिंदी वेब साहित्य (2013)

संगणक प्रणाली: उद्भव और विकास (2016)

भाषा प्रौद्योगिकी: विकास एवं प्रयोग (2016)

भारतीय साहित्य का स्वरूप (2016)

आत्मकथा संग्रह: नेम नॉट नोन (2009)

अनुवाद:

- वि. स. खांडेकर साहित्याचा हिंदी अनुवाद
- वि. स. खांडेकर की श्रेष्ठ कहानियाँ। (1983) पुरस्कृत
- स्वप्नभंग (अपूर्ण कादंबरीची पूर्ती व अनुवाद) (1984)
- शांति (स्वातंत्र्योत्तर रूपक कथा)। (1997)

अन्य : राजर्षि शाहू : व्रत और विरासत - कॉ. गोविंद पानसरे (2002)

संपादन :

- शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की अनेक पाठ्यपुस्तकों का संपादन।
- परसाई की श्रेष्ठ व्यंग्य कहानियाँ (1998)
- परसाई के श्रेष्ठ व्यंग्य निबंध (1998)
- गद्य के रंग (2004)
- काव्य अभिलाषा (2004)
- वाणिज्य व्यवहार (2004)
- व्यावहारिक हिंदी (2004)
- महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे-गद्य सुमन (1984)
- महाराष्ट्र माध्यमिक व उच्च माध्यमिक परीक्षा मंडळ, पुणे
- युवक भारती (2007)

अनुवाद/संपादन: अंधविश्वास उन्मूलन : आचार विचार और सिद्धांत (खण्ड 1, 2, 3)

भ्रम और निरसन - डॉ. नरेंद्र दाभोलकर (2018)

मराठी साहित्य संपदा

- **आत्मकथा** : खाली जमीन वर आकाश (2006) (पुरस्कृत) * आत्मस्वर (2014)
- **समीक्षा ग्रंथ** : भारतीय साहित्यकार (2007) * समकालीन साहित्यिक (2015), * नवे शिक्षण, नवे शिक्षक (2016) *भारतीयभाषा वसाहित्य (2017) * वेचलेली फुले (2018)*वाचन (2018) * भारतीय भाषा आणि संस्कृती (2018) * वाचावे असे काही (2018)* साहित्य आणि संस्कृती (2018)* सामाजिक विकासवेध (2018)
- **लेखसंग्रह:** एकविसाव्या शतकातील समग्र शिक्षण (2013). * नवे शिक्षण, नवे शिक्षक

(2016)

- शब्द सोन्याचा पिंपळ (2013)
- निराळं जग, निराळी माणसं (2013)
- महाराष्ट्रातील बालकल्याण : दशा आणि दिशा (2014)
- वंचित विकास जग आणि आपण (2014)
- एकविसाव्या शतकातील सामाजिक प्रश्न (2014)

- **कवितासंग्रह** : सरल्या ऋतूचं वास्तव (2013)
- **कथासंग्रह** : दुःखहरण (2013)

चरित्रसंग्रह : वि. स. खांडेकर (2012) माझे सांगाती (2018)
: कोल्हापूरचे स्वातंत्र्योत्तर समाजसेवक (2013)
: प्रेरक चरित्रे (2013)

- **भाषणसंग्रह** : आकाश संवाद (2013)
- **स्फूट संग्रह** : जाणिवांची आरास (2018)
- **प्रस्तावना** : प्रशस्ती (2018)

विशेष: डॉ. लवटे के साहित्य के भाषांतर हिंदी, इंग्रजी, गुजराती और ब्रेल में प्रकाशित।

संपादन: वि. स. खांडेकर के समग्र अप्रकाशित और असंकलित साहित्य के संपादन का अभिनव प्रकल्प। 20 ग्रंथ प्रकाशित।

कादंबरी : नवी स्त्री (2001)

विनोदी लेखसंग्रह : गाढवाची गीता आणि गाजराची पुंगी (2018)

समीक्षा संग्रह :

- प्रज्ञा आणि प्रतिभा (2018)

साहित्य प्रतिभा : सामर्थ्य आणि मर्यादा (2018)

भाषण संग्रह :

- स्वप्नसृष्टी (2018)
- वैनतेय लेखसंग्रह कल्पनातरंग (2018)
- समुद्रमंथन (2018)

कथासंग्रह: स्वप्न आणि सत्य (2002), विकसन (2002), भाऊबीज (2003), सरत्या सरी (2003).

रूपकथासंग्रह: क्षितिजस्पर्श (2002)

लघुनिबंध: रानफुले (2002), अजून येतो वास फुलांना (2003), सांजसावल्या (2004), मुखवटे (2004)

वैचारिकलेखसंग्रह: वन्हि तो चेतवावा (2004), अज्ञाताच्या महाद्वारात (2004), दुसरे प्रॉमिथियस : महात्मा गांधी (2004)

आत्मकथनात्मक: पहिली पावलं (2007), सशाचे सिंहावलोकन (2007)

मुलाखत संग्रह: ऋतू न्याहाळणारं पान (2008)

पटकथा संग्रह: अंतरीचा दिवा (2012)

व्यक्तिलेख संग्रह: साहित्यशिल्पी (2015), समाजशिल्पी (2015)

जीवनशिल्पी (2015)

अन्य:

- प्रगतिशील लेखक संघ - भूमिका (2003)
- माणुसकीचा मळा : वामनदादा कर्डक (2004)
- काव्यसावित्री (2005)
- कॉ. गोविंद पानसरे अमृत महोत्सवी गौरविका (2010)

प्रस्तावना/लेख/समीक्षा लेखन: अनेक ग्रंथों को प्रस्तावना, अनेक ग्रंथों में लेख अंतर्भूत, अनेक ग्रंथों की समीक्षा प्रकाशित।

- कुल प्रकाशित ग्रंथ (65)- मराठी :40, हिंदी :25

विशेष:

आज तक विविध पुरस्कार, मानधन, रायल्टी आदि के रूप में प्राप्त समग्र धनराशी रु. पंद्रह लक्ष विभिन्न सामाजिक, शैक्षिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक संस्थाओं तथा उपक्रमों को प्रदान।

संपर्क: सुनीलकुमार श्रीपाद लवटे
आवास:'निशांकुर', अयोध्या कॉलनी, राजीव गांधी रिंग रस्ता, सुर्वेनगरजवळ,
कळंबा डाकघर, कोल्हापूर - 416 007.
कार्यालय: एस.टी. - 2, पहिली मंजिल, वसंत पंचमी अपार्टमेंटस्, पिंपलेश्वर गणपती के पास, राजारामपुरी 6 वी गल्ली, कोल्हापुर - 416 008.
दूरध्वनि क्र. : आवास (0231) 2324405
कार्यालय - (0231) 2525959/2525969
भ्रमणध्वनि - 9881250093
ई-मेल -drsklawate@gmail.com